

यूपीआईटीएस के दूसरे दिन AI, सेमीकंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा और ऑटोसेक्टर पर फोकस

इन्वेस्ट यूपी के समन्वय में आयोजित सत्रों में तकनीक, नवीकरणीय ऊर्जा, ऑटोमोबाइल और टेक्सटाइल क्षेत्र में निवेश अवसरों पर चर्चा

ग्रेटर नोएडा, 26 सितंबर: उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स से आगे बढ़ते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), सेमीकंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा, ऑटोमोबाइल विनिर्माण, टेक्सटाइल और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (GCC) जैसे क्षेत्रों में अपनी औद्योगिक गतिविधियों का विस्तार कर रहा है केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा। यूपीआईटीएस 2026 के दूसरे दिन इन्वेस्ट यूपी के समन्वय में आयोजित विभिन्न सेक्टरल सत्रों में सरकार और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने निवेश, बुनियादी ढांचे, नीतिगत सहयोग और भविष्य के विकास अवसरों पर चर्चा की।

“UP’s Journey from Electronics Leader to AI and Semiconductor Powerhouse” विषय पर आयोजित सत्र को संबोधित करते हुए केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि नीतिगत स्थिरता, मजबूत बुनियादी ढांचे और केंद्र-राज्य समन्वय के साथ उत्तर प्रदेश प्रमुख टेक्नोलॉजी और मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में विकसित हो सकता है।

इलेक्ट्रॉनिक्स से आगे AI, सेमीकंडक्टर और GCC तक बढ़ा उत्तर प्रदेश का फोकस

जितिन प्रसाद ने कहा, “निवेश को केवल नोएडा तक सीमित रखने का प्रयास अब नहीं है। हम चाहते हैं कि इलेक्ट्रॉनिक्स और टेक्नोलॉजी से जुड़े अवसर उत्तर प्रदेश के अन्य हिस्सों तक भी पहुंचें, ताकि प्रदेश के युवाओं को इसका लाभ मिल सके।”

उन्होंने Samsung और Yotta जैसी कंपनियों के निवेश के साथ डेटा सेंटर, AI लैब और अन्य तकनीकी बुनियादी ढांचे को प्रदेश में विकसित हो रहे टेक्नोलॉजी इकोसिस्टम का संकेत बताया। उन्होंने कहा कि उत्पाद डिजाइन और सेमीकंडक्टर कंपोनेंट्स से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और निर्यात तक पूरी वैल्यू चेन विकसित करने पर ध्यान देना होगा।

उन्होंने कहा, “सरकारी सहयोग आधार तैयार कर सकता है, लेकिन व्यवसायों को स्वयं प्रतिस्पर्धी और टिकाऊ बनना होगा।” उन्होंने दीर्घकालिक निवेश के लिए स्थिर नीतिगत वातावरण के महत्व पर भी जोर दिया।

उत्तर प्रदेश के प्रमुख सचिव, आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स, आलोक कुमार ने कहा कि प्रदेश मोबाइल मैनुफैक्चरिंग के साथ GCC इकोसिस्टम को भी मजबूत कर रहा है। नोएडा में GCC स्थापित हैं, जबकि लखनऊ में भी कुछ केंद्रों ने काम शुरू किया है। उन्होंने कहा कि नई GCC और IT नीतियों के माध्यम से नोएडा के अलावा लखनऊ और कानपुर में भी अधिक GCC आकर्षित करने का प्रयास है। उन्होंने बताया कि IBM सहित कई कंपनियां लखनऊ में मौजूद हैं और IT तथा IT-enabled services को उद्योग का दर्जा दिया गया है।

स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में 8-10 GW के अवसरों की पहचान

इसके बाद इन्वेस्ट यूपी के समन्वय में "Energy Future: Grid Transformation for India's 2030 Clean Energy Goals" विषय पर सत्र आयोजित हुआ। इसमें नवीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण, ग्रीन हाइड्रोजन, स्वच्छ विनिर्माण और ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश अवसरों पर चर्चा हुई।

सत्र का नेतृत्व इन्वेस्ट यूपी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विजय किरण आनंद ने किया। इसमें इन्वेस्ट यूपी की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रेणा शर्मा और UPSIDA की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी दीक्षा जैन सहित Avaada Group, Ampin Energy Transition, NUGEL, NTPC Green, Dalmia Sugar, Integrated Batteries India Pvt. Ltd., Reliance Industries Ltd. और Loom Solar के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

चर्चा के दौरान उत्तर प्रदेश में 8-10 GW नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के अवसरों की पाइपलाइन सामने आई। ट्रांसमिशन और बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (BESS) में उभरते अवसरों पर भी चर्चा हुई। वित्तीय मॉडल, MSME की भागीदारी, क्लीन एनर्जी मैनुफैक्चरिंग और नीतिगत सहयोग प्रमुख विषय रहे।

ऑटो, टेक्सटाइल और PSU राउंडटेबल में निवेश अवसरों पर चर्चा

"Automotive Sector in Uttar Pradesh – The Road Ahead" सत्र में ऑटोमोबाइल और संबद्ध उद्योगों के प्रतिनिधियों ने विनिर्माण विस्तार, निवेश और सप्लाई चेन विकास पर चर्चा की। सत्र का नेतृत्व विजय किरण आनंद ने किया। इसमें Uno Minda Group, RACL Geartech, Maxvolt Energy, CNH India, Polyhose India, Neelgiri Motocorp, Neelgiri Group और Ratan Autocast के प्रतिनिधि शामिल हुए।

चर्चा में ऑटो कंपोनेंट्स, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, प्लग-एंड-प्ले औद्योगिक बुनियादी ढांचे, कुशल मानव संसाधन, पूंजी, EV इंफ्रास्ट्रक्चर और समर्पित ऑटोमोटिव क्लस्टर पर फोकस रहा।

टेक्सटाइल एवं अपैरल क्षेत्र पर अलग राउंडटेबल में इन्वेस्ट यूपी की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रेणा शर्मा, UPSIDA की अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी दीक्षा जैन और उद्योग आयुक्त एवं निदेशक, इंडस्ट्रीज तथा निदेशक, हैंडलूम एवं टेक्सटाइल्स, उत्तर प्रदेश, के. विजयेंद्र पांडियन ने भाग लिया। इसमें निवेश अवसरों, उद्योग विस्तार, नीतिगत सहयोग और टेक्सटाइल इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे पर चर्चा हुई।

PSU राउंडटेबल में इन्वेस्ट यूपी के वरिष्ठ अधिकारियों ने निवेशकों और उद्योग प्रतिनिधियों के साथ ऊर्जा संक्रमण, हरित विकास और औद्योगिक विकास में अवसरों पर चर्चा की। PSU साझेदारियों को मजबूत करने, नए निवेश अवसर तलाशने और सतत औद्योगिक विकास को गति देने पर विचार-विमर्श हुआ।

यूपीआईटीएस 2026 के दूसरे दिन आयोजित इन सत्रों ने उत्तर प्रदेश की तकनीक आधारित विनिर्माण, स्वच्छ ऊर्जा, उन्नत मोबिलिटी और टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में व्यापक औद्योगिक रणनीति को रेखांकित किया। निवेश सुविधा को बुनियादी ढांचे, कौशल और क्षेत्र-विशिष्ट नीतियों से जोड़कर प्रदेश औद्योगिक गतिविधियों और रोजगार के अवसरों का विस्तार करने के साथ भारत की अगली आर्थिक विकास यात्रा में अपनी भूमिका मजबूत कर रहा है।
